प्रतिभा तराशने में हिंदुस्तान पावर से मिला मार्गदर्शन

जैतहरी ■ राज न्यूज नेटवर्क

जब दिल में अटूट लगन हो, दिमाग लीक से हटकर सोचता हो और सही मार्गदर्शन हासिल हो तो विराट सपना भी हकीकत में ढल जाता है। ऐसी ही कहानी है कोतमा तहसील के सुदूरवर्ती गांव दारसागर के छात्र गणेश प्रसाद प्रजापति की, जिन्होंने पानी से चलने वाली जेसीबी का मॉडल विकसित कर विज्ञान को समृद्ध किया है। गणेष मध्य प्रदेष की उन दो विज्ञान प्रतिभाओं में से एक हैं, जो अपने मॉडल की परिकल्पना साझा करने के लिए जापान यात्रा पर हैं। गणेष को हिंदुस्तान पावर से मार्गदर्शन और प्रोत्साहन प्राप्त मिलता रहा है, वहीं उनकी प्रतिभा को पहचानने का श्रेय उनके विज्ञान शिक्षक एवं जिला प्रशासन को जाता है। 16 वर्षीय गणेश उन प्रतिभाओं में शामिल हैं, जिन्हें जापान के सकुरा एक्सचेंज प्रोग्राम इन साइंस के तहत चुना गया है। जापान और शेष एशिया के बीच विज्ञान प्रतिभाओं के आदान-प्रदान वाले इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए गणेष के चयन का आधार है उनके द्वारा

अनूपपुर का गणेश पहुंचा जापान

पास्कल सिद्वांत पर विकसित जल-दबाव चालित जेसीबी मॉडल। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोतमा, में 11वीं के छात्र गणेश ने करीब चार साल पहले यह मॉडल तब विकसित किया था, जब उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, के 'इन्सपायर साइंस अवार्ड' के लिए चुना

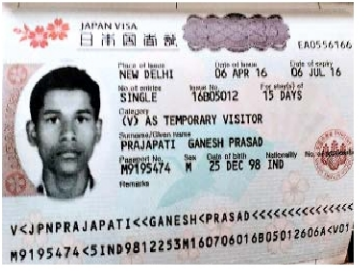

गया। हिंदुस्तान पावर ने 2012 में अपने प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में गणेष को सम्मानित किया। तत्कालीन एसडीएम गजेंद्र सिंह ने गणेश का परिचय हिंदुस्तान पावर से कराया था। कंपनी ने अपने अधिकारी ओंकार सिंह तोमर को गणेश के मार्गदर्शन के लिए अधिकृत किया, जिसे वह अपने अभिभावक जैसा ही समझते हैं। गणेश कहते हैं, ''ओंकार सिंह ने मेरा हर संभव मार्गदर्शन किया। एक बार मैं आंख की रोशनी खोने के कगार पर पहुंच गया था। ओंकार सिंह ने मेरा समुचित इलाज कराया। मेरी जापान यात्रा की तैयारी में उनका खास योगदान है।''